

डॉ. रॉबर्ट चिशोल्म, 1 और 2 सैमुअल, सत्र 18, 2 सैमुअल 4-6

© 2024 रॉबर्ट चिशोल्म और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 18, 2 सैमुअल 4-6 है। सिंहासन तक पहुंचने का मार्ग रक्त से प्रशस्त है, अध्याय 4 से अध्याय 5 श्लोक 5 तक; विजेता दाऊद, अध्याय 5; सन्दूक को एक विश्राम स्थल मिलता है, अध्याय 6।

इस पाठ में, हम 2 सैमुअल अध्याय 4, 5, और 6 को देखने जा रहे हैं। यदि आप हमारे पिछले पाठ को याद करते हैं, तो हम सैमुअल के एक बड़े खंड को देख रहे हैं।

2 सैमुअल 2.1 से शुरू होकर 5.5 तक जाता है जहां डेविड इसराइल के सिंहासन पर चढ़ने जा रहा है। हम इसे कह सकते हैं कि सिंहासन तक पहुंचने का रास्ता खून से लथपथ है। सैमुअल के इस खंड में बहुत अधिक रक्तपात और हिंसा है।

हम कहानी को 2 सैमुअल अध्याय 4 में लेने जा रहे हैं। अध्याय 3 में, हम अब्रैम की मृत्यु के बारे में पढ़ते हैं। दाऊद के सेनापति योआब ने अब्रैम की हत्या कर दी क्योंकि वह बदला लेना चाहता था क्योंकि अब्रैम ने युद्ध में योआब के भाई अजाहेल को मार डाला था। यह भी याद करें कि अब्रैम ने ईशबोशेत को उत्तरी गोत्रों का राजा नियुक्त किया था।

अब्रैम डेविड के प्रति अपनी निष्ठा बदलने की प्रक्रिया में था और उसने डेविड से वादा किया कि उत्तरी जनजातियाँ डेविड के पास आएँगी। ईश- बोशेत अब अलग-थलग पड़ गया है। अब उसके पास अब्रैम नहीं है।

हम 2 शमूएल 4:1 में पढ़ते हैं, शाऊल के पुत्र ईशबोशेत ने सुना कि अब्रैम हेब्रोन में मर गया। वह साहस खो बैठा और सारा इस्राएल घबरा गया। मुझे लगता है कि इज़राइल इस बात को लेकर चिंतित है कि भविष्य में हमारा क्या होगा।

वे डेविड की ओर झुक रहे हैं, जैसा कि हमने पिछले अध्याय में सीखा था, लेकिन यह चिंताजनक समय है। और फिर हमने पढ़ा कि कैसे शाऊल के बेटे के पास दो आदमी थे जो छापा मारने वाले दलों के नेता थे। एक का नाम बाना और दूसरे का रेकाब था, और वे रामोन आदि के पुत्र थे।

और वे बिन्यामीनवासी हैं। वे बिन्यामीन के गोत्र से हैं। और फिर जैसे ही यह कहानी सामने आने लगी है और हमें उन पात्रों से परिचित कराया जा रहा है जो इसमें भूमिका निभाने जा रहे हैं, लेखक श्लोक 4 में कोष्ठक में रुकता है और कहता है, शाऊल के पुत्र जोनाथन का एक बेटा था दोनों पैरों से लंगड़ा।

वह पाँच वर्ष का था जब यिज़्रेल से शाऊल और योनातान के बारे में समाचार आया और उसकी नर्स उसे उठाकर भाग गई। परन्तु जब वह जाने को उतावली हुई, तो वह गिरकर अपंग हो गया, और उसका नाम मपीबोशेत रखा गया। और वह आगे चलकर कहानी का पात्र बनने वाला है।

और फिर अध्याय 4 के श्लोक 5 में, हम अब पढ़ते हैं, रेकाब और बाना, रामोन के पुत्र, ईशबोशेत के घर के लिए निकले। और हम सोच रहे हैं, ठीक है, यह जोनाथन के बेटे मेफीबोशेत के बारे में दिलचस्प जानकारी है, लेकिन इसे यहां क्यों पेश किया गया है? यदि मेफीबोशेत कहानी में कोई भूमिका नहीं निभाएगा तो इस समय इसे यहां क्यों लाया जाए? मुझे आश्चर्य है कि क्या यह योगदान देता है क्योंकि यह इन हत्यारों के कार्यों को आंशिक रूप से समझा सकता है। और रेकाब और बाना यही बनने जा रहे हैं।

वे ईशबोशेत की हत्या करने जा रहे हैं। हो सकता है कि उन्हें दीवार पर लिखावट दिख गई हो। उन्हें एहसास हुआ कि ईशबोशेत एक कमज़ोर राजा है, खासकर अब्रेर के चले जाने के बाद।

और उन्हें एहसास हुआ कि उत्तरी जनजातियाँ पहले से ही डेविड की ओर झुक रही हैं। अब्रेर उन्हें दाऊद के पास ले जाने को तैयार था। और उन्हें एहसास हुआ कि ईशबोशेत कमज़ोर है।

वह बहुत लंबे समय तक शासन नहीं करने वाला है। हम उनके समर्थक रहे हैं। हम बिन्यामीनवासी हैं जो उसका समर्थन करते हैं।

हमें दाऊद के शत्रु के रूप में देखा जा सकता है। हम मुसीबत में पड़ सकते हैं। हमें नए राजा डेविड के साथ खुद को जोड़ने के लिए कुछ करने की ज़रूरत है।

और इसलिए, हम पद 5 में पढ़ते हैं, वे ईशबोशेत के घर के लिए निकले। वे दिन की गर्मी में वहाँ पहुँचे जब ईशबोशेत दोपहर का विश्राम कर रहा था। तो, वह अपनी नींद, अपनी छोटी सी झपकी ले रहा है।

और वे घर के भीतरी भाग में ऐसे चले जाते हैं मानो गेहूँ या कुछ और ढूँढ़ रहे हों। और उन्होंने उसके पेट में चाकू घोंप दिया। और फिर वे खिसक जाते हैं।

और पद 7, जब वह अपने शयनकक्ष में अपने बिस्तर पर लेटा हुआ था, वे घर में चले गए थे। और उन्होंने चाकू मार कर उसकी हत्या कर दी। और उन्होंने उसका सिर काट डाला।

और इसलिए, वे सिर को अपने साथ ले जाते हैं। और वे ईशबोशेत का सिर हेब्रोन में दाऊद के पास ले आए। और उन्होंने दाऊद से कहा, यह तेरे शत्रु शाऊल के पुत्र ईशबोशेत का सिर है।

अब, हमने पहले देखा है, विभिन्न लोग शाऊल को दाऊद का शत्रु कहेंगे। वर्णनकर्ता शाऊल को दाऊद का शत्रु कहता है। 1 शमूएल 18 में, दाऊद के आदमी शाऊल का इस प्रकार उल्लेख करते हैं।

शाऊल स्वयं उस भाषा का प्रयोग करता है। और अबीशै, दाऊद का भतीजा, दाऊद शाऊल को ऐसा नहीं कहता। दाऊद शाऊल का वफादार है।

और वह शाऊल को राजा मानता है। मेरे प्रभु, प्रभु के अभिषिक्त। वह शाऊल को अपना शत्रु नहीं कहता।

और इसलिए, अगर ये लोग सोचते हैं कि वे डेविड को प्रभावित करने जा रहे हैं, तो उनके मन में एक और विचार आ रहा है। तुम्हें मारने की कोशिश किसने की? अतः शाऊल तुम्हारा शत्रु है। उसने तुम्हें मारने की कोशिश की।

हमें उसके बेटे का सिर मिल गया है। आज के दिन यहोवा ने शाऊल और उसके वंश से मेरे प्रभु राजा का पलटा लिया है। वे मानते हैं कि उनके कार्य भगवान द्वारा रचित हैं।

यह यहोवा ही है जिसने शाऊल से दाऊद का बदला लेने के लिये उनके द्वारा कार्य किया है। खैर, जो हमने पहले ही देखा है उसके आधार पर आप अनुमान लगा सकते हैं कि इससे डेविड पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। और दाऊद ने रहोब और उसके भाई बाना को उत्तर दिया।

और वह कहता है, यहोवा के जीवन की शपथ, जिस ने मुझे सब विपत्तियों से छुड़ाया है, जब किसी ने मुझ से कहा, कि शाऊल मर गया है, और यह समझकर कि वह शुभ समाचार लाता है, मैं ने उसे पकड़कर सिकलग में मार डाला। वह उस अमालेकी के बारे में बात कर रहा है जिसके बारे में हमने 2 शमूएल 1 में पढ़ा था। यह वह इनाम था जो मैंने उसे उसकी खबर के लिए दिया था। फिर जब दुष्टों ने एक निर्दोष मनुष्य को उसके घर में और उसी के बिछौने पर मार डाला, तो क्या मैं तेरे हाथ से उसका खून न मांगूँ, और पृथ्वी को तुझ से छुड़ाऊँ? इसलिए, दाऊद ने अपने आदमियों को आदेश दिया और उन्होंने उन्हें मार डाला।

उन्होंने उनके हाथ और पैर काट डाले और उनके शवों को हेब्रोन के तालाब के किनारे लटकवा दिया, मानो उन्हें देखने वाले हर एक से कह रहे हों, दुष्ट हत्यारों का यही हाल होता है। और दाऊद अपने राज्य में इसे सहन नहीं करेगा। परन्तु उन्होंने ईशबोशेत का सिर ले लिया और उसे हेब्रोन में अब्नेर की कब्र में गाड़ दिया।

यह अच्छा है। डेविड सही काम करता है। और डेविड के बचाव में यह महत्वपूर्ण है।

जब शाऊल या शाऊल के बेटे ईशबोशेत को मारने की बात आती है तो वह किसी के साथ सहयोग नहीं कर रहा है। दाऊद इन बिन्यामीनियों, शाऊल और उसके पुत्र की मृत्यु के लिए ज़िम्मेदार नहीं है। और वह इन व्यक्तियों के विरुद्ध त्वरित, त्वरित न्याय लाता है।

और इसलिए, यह सब डेविड के चरित्र और उसकी ईमानदारी की रक्षा का हिस्सा है। लेकिन फिर, यहां कुछ परेशान करने वाली बात है क्योंकि उसने 2 शमूएल 1 में उस अमालेकी को न्याय दिलाने में जल्दी की थी जिसने शाऊल के खिलाफ हाथ उठाने का साहस किया था। वह इन बिन्यामीनियों के खिलाफ न्याय लाने के लिए तत्पर है जो शाऊल के बेटे, ईशबोशेत की हत्या करते हैं।

लेकिन योआब के बारे में क्या? योआब और अबीशै के बारे में क्या, जिन्होंने अब्नेर की हत्या कर दी? उस के बारे में क्या? और ठीक पिछले अध्याय में, हमारे पास वह प्रकरण है और यह थोड़ा चिंताजनक है। और जब आप कहानी को दूसरी बार पढ़ते हैं, तो आप पूर्वाभास देखते हैं और परिवार के खिलाफ त्वरित न्याय लाने में डेविड की असमर्थता एक समस्या बनने जा रही है, जैसा

कि हमने पहले कहा है। खैर, अध्याय 5 में, श्लोक 1 से शुरू होकर, इस्राएल के सभी गोत्र हेब्रोन में दाऊद के पास आए।

और उन्होंने कहा कि हम तुम्हारे ही हाड़-मांस हैं। इसलिए इस्राएलियों के रूप में, वे स्वयं को दाऊद के साथ पहचानते हैं। और वे सभी एक बड़े परिवार का हिस्सा हैं, याकूब के वंशज हैं।

अतीत में, जब शाऊल हमारा राजा था, तू ही वह व्यक्ति था जिसने इस्राएल के सैन्य अभियानों का नेतृत्व किया था। और यहोवा ने तुझ से कहा, तू मेरी प्रजा इस्राएल की चरवाही करेगा, और तू उनका प्रधान ठहरेगा। दिलचस्प बात यह है कि यह नगीद शासक है, मेलेक राजा नहीं।

तो, एक मान्यता है, डेविड, आप प्रभु के अधीन उप-शासनकर्ता हैं। तुम चरवाहे हो। और इस प्रकार इस्राएल के सब पुरनिये हेब्रोन में दाऊद के पास आए।

राजा ने हेब्रोन में यहोवा के साम्हने उन से वाचा बान्धी, और उन्होंने इस्राएल का राजा होने के लिये राजा दाऊद का अभिषेक किया। डेविड की उम्र 30 साल है। जब वह राजा बनता है तो 40 वर्ष तक शासन करता है।

हमें याद दिलाया गया है कि उसने यहूदा पर सात वर्षों तक शासन किया और छह महीने बदले। और यरूशलेम में, वह 33 वर्ष तक राज्य करेगा। तो, दाऊद इस्राएल के सिंहासन पर आ गया है।

और वह सड़क खून से सनी हुई थी। वहां पहुंचना आसान नहीं था। लेकिन फिर भी, प्रभु अपना वादा पूरा करते हैं।

और लोग डेविड को वो वादा याद दिला रहे हैं। और इसलिए, यदि हम इस खंड के विषय को संक्षेप में प्रस्तुत करने जा रहे हैं, तो हम कह सकते हैं कि प्रभु डेविड की तरह अपने चुने हुए सेवकों से किए गए अपने वादों को पूरा करते हैं, क्योंकि उनके लोग, डेविड की तरह, उनके विधान पर निर्भर रहते हैं और अपनी इच्छाओं को उनके अनुरूप करते हैं। उसके उद्देश्य. और इस खंड में कुछ अच्छे पाठ, उपदेश योग्य, सिखाने योग्य पाठ हैं।

परमेश्वर के वादे की पूर्ति के माध्यम से, यद्यपि परमेश्वर के वादों की पूर्ति में देरी हो सकती है और यहाँ तक कि खतरे में भी पड़ सकता है, परमेश्वर उन्हें साकार करने में विश्वासयोग्य है। डेविड को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा और उसे भगवान पर भरोसा करना पड़ा, उसके पास उतार-चढ़ाव थे, लेकिन भगवान डेविड को उस सिंहासन पर लाने के लिए वफादार थे जिसका उसने उससे वादा किया था। और प्रभु के चुने हुए सेवकों को उसके समय पर भरोसा करना चाहिए और दिव्य वादे की पूर्ति की प्रतीक्षा करते हुए गलत काम का सहारा नहीं लेना चाहिए।

दाऊद धैर्यवान था और उसने प्रभु के अभिषिक्त के प्रति आदर दिखाया। और परमेश्वर के लोगों के लिए अच्छा होगा कि वे उसके उद्देश्यों को पहचानें और उसके अनुसार कार्य करें। और इज़राइल अंततः उस स्थान पर आता है जहां वे पहचानते हैं कि डेविड इज़राइल का चुना हुआ है और हमें यहां भगवान के कार्यक्रम के अनुरूप होने की आवश्यकता है।

तो, दाऊद राजा है और वह, केवल यहूदा ही नहीं, पूरे राष्ट्र पर अपने शासन की शुरुआत में ही, यरूशलेम को अपनी राजधानी बनाने जा रहा है। 2 शमूएल अध्याय 5 के शेष भाग, श्लोक 6 से 25 में, मैंने इस खंड का शीर्षक, डेविड द कॉन्करर रखा है। और हम डेविड को अपना शासन मजबूत करते हुए देखने जा रहे हैं।

और पद 6 में, वह अपना ध्यान यरूशलेम की ओर केन्द्रित करता है। राजा और उसके लोगों ने यरूशलेम में रहने वाले यबूसियों पर हमला करने के लिए चढ़ाई की। आपको याद होगा जब इजराइल ने जमीन पर कब्जा कर लिया था, तो उन्हें यरूशलेम में मिली-जुली सफलता मिली थी।

उन्होंने शहर पर कब्जा कर लिया, लेकिन यबूसियों, कनानियों के बीच इस मूल लोगों का समूह, यबूसियों ने यरूशलेम पर कब्जा बनाए रखा। और इसलिए, मैं जो कल्पना करता हूँ वह यह है कि इस्राएली और यबूसी लोग यरूशलेम और यरूशलेम क्षेत्र में सह-अस्तित्व में थे। इस समय, यबूसियों का शहर पर नियंत्रण प्रतीत हो रहा था।

और इसलिथे दाऊद उस पर चढ़ाई करने को आया, और यबूसियोंने दाऊद से कहा, तू यहां प्रवेश न करेगा। यहाँ तक कि अंधे और लंगड़े भी तुम्हें बचा सकते हैं। आप यहां प्रवेश नहीं कर रहे हैं।

यह शहर बहुत मजबूत है। यह किला इतना मजबूत है कि अंधे और लंगड़े भी इसकी रक्षा कर सकते थे। और उन्होंने सोचा कि डेविड यहाँ नहीं आ सकता।

फिर भी, दाऊद ने सिथ्योन के किले पर कब्जा कर लिया, जो दाऊद का शहर है। पुराने नियम में, यरूशलेम, सिथ्योन, शाही शहर और उस स्थान के रूप में बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है जहां सोलोमन द्वारा मंदिर बनाया गया था। तो, यह केवल शाही महल नहीं है, यह देश की राजधानी है।

यह धार्मिक केंद्र भी है जहां भगवान मंदिर में अपने लोगों से मिलते हैं। इसलिए दाऊद शहर ले जाता है। हमें श्लोक 8 में थोड़ी अधिक विस्तृत शुरुआत मिलती है। उस दिन, डेविड ने कहा था, जो कोई भी यबूसियों पर विजय प्राप्त करेगा, एनआईवी इसका अनुवाद करता है, उसे उन लंगड़ों और अंधों तक पहुंचने के लिए पानी के शाफ्ट का उपयोग करना होगा जो डेविड के दुश्मन हैं।

मुझे लगता है कि लंगड़े और अंधे को उद्धरण चिह्नों में रखा गया है क्योंकि वह यहां शत्रु को उद्धृत कर रहा है। लंगड़े और अंधे लोग सचमुच इस शहर की रक्षा नहीं कर रहे थे, लेकिन उन्होंने इसी तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया था। और इसीलिए वे कहते हैं कि अंधे और लंगड़े महल में प्रवेश नहीं करेंगे।

तो, श्लोक 8 कुछ प्रश्न उठाता है कि डेविड ने इसे कैसे पूरा किया। एनआईवी मार्ग का अनुवाद कर रहा है, हमें जल शाफ्ट का उपयोग करना होगा। एक दृष्टिकोण यह है कि दाऊद के आदमियों को पानी के रास्ते से यबूसी गढ़ में घुसना पड़ा।

लेकिन इस बिंदु पर हिब्रू पाठ अत्यंत कठिन है। इसका शाब्दिक अर्थ है, जो कोई यबूसी को मारता है, उसे छूने दो, और हिब्रू शब्द त्सिनोर है। तो, दुनिया में इसका क्या मतलब है? एक व्याख्या यह है कि यदि हम एक जेबुसाइट पर हमला करने जा रहे हैं, तो आपको इससे गुजरना होगा, और tsinor शब्द, एक पाइप को संदर्भित करने का आधार है।

तो, उन्हें अंदर जाने के लिए पाइप से गुजरना होगा। और यह एक दृश्य है। यह एक लोकप्रिय दृष्टिकोण है कि डेविड को यह प्रवेश स्थान, यह पानी का रास्ता मिला, और वे उस पानी के रास्ते के माध्यम से किले में घुस गए और इज़राइली जीत को अंजाम देने में सक्षम थे क्योंकि वे उस रास्ते में आने में सक्षम थे।

लेकिन इसकी अन्य व्याख्याएँ भी हैं। कुछ लोग तर्क देंगे कि यह tsinor है, इसका एक अरामी संज्ञेय है, जो एक हुक को संदर्भित करता है। और इसलिए, वे इसे किसी प्रकार के हथियार के रूप में देखेंगे।

और इसलिए, डेविड जो कह रहा है, जो कोई यबूसी को मारता है, उसे हुक से मारने दो, शायद एक उपकरण जिसका उपयोग आप किसी को खत्म करने के लिए करेंगे। तो, यह किसी प्रकार के हथियार के बारे में बात कर रहा है जिसका उपयोग किया जाएगा। एक और स्पष्टीकरण जो कुछ टिप्पणियों द्वारा दिया गया है वह यह है कि जो कोई जेबुसाइट पर हमला करता है, उसे पाइप, श्वासनली पर हमला करने दें।

दूसरे शब्दों में, डेविड कह रहा है, ये लोग जो हमें ताने दे रहे हैं, अंधे और लंगड़े और ऐसी ही अन्य बातें कर रहे हैं, यहाँ तक कि एक अंधा आदमी, यहाँ तक कि एक लंगड़ा आदमी भी इस शहर की रक्षा कर सकता है। हम उन्हें उनकी बदतमीजी की कीमत चुकाने जा रहे हैं। उनकी श्वास नली पर प्रहार करें, जहाँ से ये शब्द आते हैं।

तो, इस पर अलग-अलग विकल्प हैं। और सभी टिप्पणीकार इस बात से सहमत नहीं हैं कि डेविड के लोगों ने पानी के रास्ते से शहर पर आक्रमण किया था। यह एक व्याख्या है जो वहाँ मौजूद है।

यह सही हो सकता है, लेकिन क्या हम कहेंगे कि यह कोई ऐसी व्याख्या नहीं है जिसने दिन जीत लिया हो। अलग-अलग विकल्प हैं और इनमें से बहुत कुछ हिब्रू पाठ की अस्पष्टता के कारण है। परन्तु दाऊद ने किले में निवास किया और उसने इसे दाऊद का नगर कहा।

और वह उसके चारों ओर क्षेत्र का निर्माण करता है और वह अधिक से अधिक शक्तिशाली हो जाता है क्योंकि सर्वशक्तिमान भगवान उसके साथ था। हमने यह पहले भी देखा है। प्रभु दाऊद के साथ था और वह यहाँ भी उसके साथ है।

और दाऊद राजा बन गया है और अब उसके पास एक शाही शहर है, जो उसके राज्य का केंद्र होगा। अन्य राजा दाऊद को वैध मानने जा रहे हैं। और हम इसके बारे में श्लोक 11 में पढ़ते हैं।

सोर का राजा हीराम, देवदार की लकड़ियाँ, बढ़ई और राजमिस्त्री के साथ दाऊद के पास दूत भेजता है और वे दाऊद के लिए एक महल बनाते हैं। तो यहाँ एक विदेशी राजा है, सोर का राजा, जो डेविड को वैध मानता है और यहां तक कि उसके लिए एक महल बनाने के लिए सामग्री और श्रमिकों का योगदान भी देता है। श्लोक 12 हमें बताता है, तब दाऊद को पता चला कि प्रभु ने उसे इस्राएल पर राजा के रूप में स्थापित किया था और अपने लोगों इस्राएल के लिए उसके राज्य को बढ़ाया था।

यह एक महत्वपूर्ण विषय है। इस्राएल के राजा दाऊद को कभी भी व्यक्तिगत दृष्टि से नहीं सोचना चाहिए। मैं कितना महान हूँ? उनकी भूमिका हमेशा इजराइल को लेकर रहती है।

और डेविड यह समझता है। तो, चीजें अच्छी चल रही हैं। दाऊद का राज्य स्थापित हो गया है।

राजमहल बना हुआ है। और फिर देखो, हमें इनमें से एक मिलता है, जिसे मैं हरम रिपोर्ट कहता हूँ। श्लोक 13, हेब्रोन छोड़ने के बाद, दाऊद ने यरूशलेम में और रखेलियाँ और पत्नियाँ रख लीं।

उसके और भी बेटे-बेटियाँ पैदा होती हैं। और फिर हमें बच्चों का नाम मिलता है और सोलोमन का नाम यहां दिखाई देता है। तो, यह, यह आगे चमक रहा है।

यह एक लंबी अवधि को ध्यान में रख रहा है क्योंकि 2 शमूएल 12 में डेविड की बतशेबा से शादी के बाद तक सुलैमान का जन्म नहीं हुआ था। इसलिए यह आगे की ओर देख रहा है और यह सिर्फ एक प्रकार का सारांश है। कुछ लोग, फिर से, इसे सकारात्मक तरीके से देखने जा रहे हैं।

हाँ, डेविड मजबूत है। प्रभु उसे पत्नियों और बच्चों का आशीर्वाद दे रहे हैं। मुझे पूरा यकीन नहीं है कि मैं वहां जाना चाहता हूँ।

सिर्फ इसलिए कि इसके चारों ओर सब कुछ सकारात्मक है, इसका मतलब यह नहीं है कि हमें अध्याय में सब कुछ सकारात्मक रूप में लेना होगा। लेखक शायद कह रहा है, हाँ, प्रभु डेविड को आशीर्वाद दे रहे हैं। वह उसके साथ है।

डेविड बहुत, बहुत सफल है। लेकिन अभी भी कुछ परेशान करने वाली बात है क्योंकि पूरी कहानी में मुझे डेविड के इर्द-गिर्द यह अस्पष्टता दिखाई देती है। और मैं इसे नींव में पड़ी दरारों में से एक के रूप में देखता हूँ।

वह पत्नियाँ बढ़ा रहा है। आप जानते हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है। वह पत्नियाँ बढ़ा रहा है।

व्यवस्थाविवरण 17 कहता है कि आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। फिर, मुझे लगता है कि वे मुख्यतः स्थानीय लड़कियाँ हैं। वे उसका हृदय प्रभु से दूर नहीं करते।

तो यहाँ चिंता की बात नहीं है, लेकिन वह अधिक से अधिक विशिष्ट प्राचीन निकट पूर्वी राजा की तरह दिखने लगा है। मुझे नहीं लगता कि प्रभु यही चाहते हैं। वह नहीं चाहता कि इस्राएल का राजा अन्य राष्ट्रों के समान राजा बने।

डेविड वैसे ही दिख रहे हैं. और वह एक मिसाल कायम कर रहा है. सुलैमान के साथ, यह एक गंभीर समस्या बनने जा रही है क्योंकि सुलैमान की पत्नियाँ उसे प्रभु से दूर करने जा रही हैं।

इसलिए, मैं इस छोटी सी रिपोर्ट को बिल्कुल भी सकारात्मक दृष्टि से नहीं देखता हूँ। मैं इसे एक समस्या के रूप में देखता हूँ, एक संभावित समस्या जो डेविड जो हासिल कर रहा है उसके इस सकारात्मक विवरण के बीच में सामने आ रही है। जब हम पद 17 पर पहुंचते हैं, तो हम वास्तव में यहां कालक्रम के बारे में निश्चित नहीं होते हैं।

और एक भौगोलिक मुद्दा है. जब पलिशियों ने सुना कि दाऊद को इस्राएल का राजा नियुक्त किया गया है, तो वे पूरी शक्ति से उसकी खोज में निकल पड़े। परन्तु दाऊद ने इसके विषय में सुना, और गढ़ में गया।

गढ़ क्या है? यदि यह कालानुक्रमिक क्रम में है, तो डेविड ने पहले ही खुद को स्थापित कर लिया है। जेरूसलम में उनका राजमहल है. यदि आप यरूशलेम में हैं तो आप गढ़ तक कैसे जाएंगे? कुछ लोगों ने सुझाव दिया कि, ठीक है, आसपास कोई किला रहा होगा।

अपने महल को किले तक ले जाने के लिए उसे इलाके से थोड़ा नीचे आना पड़ा होगा। मैं इसे कालानुक्रमिक क्रम में नहीं देखना पसंद करता हूँ। हम पहले ही देख चुके हैं कि हरम रिपोर्ट बहुत आगे तक जाती है।

मुझे लगता है कि हम डेविड के सिंहासन पर पहुंचने से संबंधित विषयों और अवधारणाओं पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। मैं इतना निश्चित नहीं हूँ कि यहां सब कुछ सख्त कालानुक्रमिक क्रम में है। हम इस तथ्य से शुरुआत करते हैं कि हम डेविड द्वारा यबूसियों के गढ़ यरूशलेम को अपने शाही शहर के रूप में लेने पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।

फिर हम वहां बन रहे एक महल की बात करते हैं. फिर हम इस तथ्य के बारे में बात करते हैं कि वह भगवान की मदद से एक शक्तिशाली राजा बन गया है, लेकिन इसमें थोड़ी समस्या है। वह बहुत हद तक एक प्राचीन निकट पूर्वी राजा जैसा दिखने लगा है।

मुझे लगता है कि श्लोक 17 में हम उस समय में वापस जा रहे हैं जब उसने वास्तव में यरूशलेम पर कब्जा कर लिया था। यहाँ जो गढ़ दिखाई दे रहा है वह अदुल्लाम है। यह उन गढ़ों में से एक है जहां वह पहले था।

उसने अभी तक यरूशलेम पर कब्जा नहीं किया है। इससे स्पष्ट होगा कि वह यरूशलेम के क्षेत्र में रपाईम की घाटी में पलिशियों से लड़ने के लिए कैसे जा सकता था। वह उस क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है।

टिप्पणीकार इस पर असहमत होंगे, लेकिन मेरा झुकाव इस ओर है कि यह सख्त कालानुक्रमिक क्रम में न हो। किसी भी कीमत पर, हम डेविड को एक शक्तिशाली योद्धा के रूप में देखने जा रहे हैं। पलिशती आकर रपाईम की तराई में फैल गए थे।

तब दाऊद ने यहोवा से पूछा, क्या मैं जाकर पलिशतियों पर आक्रमण करूँ? क्या तुम उन्हें मेरे हाथ सौंपोगे? और यहोवा ने उत्तर दिया, जाओ, क्योंकि मैं निश्चय पलिशतियों को तुम्हारे हाथ में कर दूंगा। तो, डेविड जाता है। वह उन्हें हरा देता है।

श्लोक 21 के अनुसार पलिशतियों ने अपनी मूर्तियों को त्याग दिया। और दाऊद और उसके लोग उन्हें ले गए। यह बहुत अच्छा नहीं लग सकता है।

वे मूर्तियाँ क्यों ले जायेंगे? खैर, मुझे लगता है कि यह दिखाता है कि यहोवा पलिशती देवताओं से अधिक शक्तिशाली है। और यदि आप इस बारे में चिंतित हैं, तो जब आप इतिहास के समानांतर जाते हैं, तो हमें पता चलता है कि उसने उन मूर्तियों को नष्ट कर दिया था। तो उसके बारे में चिंता मत करो।

एक बार फिर पलिशती चढ़ आए और रफ़ाईम की तराई में फैल गए। और दाऊद ने यहोवा से पूछा, और उस ने उत्तर दिया, इस समय सीधे न चढ़, परन्तु उनके पीछे से घूमकर चिनार के वृक्षों के साम्हने उन पर चढ़ाई कर। यह बहुत दिलचस्प है क्योंकि इससे पता चलता है कि एक योद्धा के रूप में डेविड के अनुभव में प्रभु कितने शामिल थे।

और इसमें से कुछ एक कविता में आता है जो उन्होंने लिखी थी, 2 सैमुअल 22, जिसे हम बाद में देखेंगे। जैसे ही तुम चिनार के पेड़ों की चोटियों पर मार्च की आवाज़ सुनो, जल्दी से आगे बढ़ो, क्योंकि इसका मतलब होगा कि यहोवा पलिशती सेना पर हमला करने के लिए तुम्हारे सामने चला गया है। तो, यहाँ लड़ाई का धार्मिक आयाम देखें? यह सिर्फ दाऊद ही नहीं है जो पलिशतियों से लड़ने जा रहा है।

भगवान वहाँ है। यहोवा वहाँ है और उसके पास एक सेना है। और वह सेना यहोवा के नेतृत्व में दाऊद के ऊपर के वृक्षों के बीच से आगे बढ़ रही है।

और वे उस सेना को सुनते हैं। इसमें एक आध्यात्मिक आयाम है, जो विशिष्ट प्राचीन निकट पूर्व जैसा है। वहाँ एक असीरियन शिलालेख मूर्तिकला है जिससे मैं परिचित हूँ, जहाँ असीरियन को एक शहर को घेरते और उस पर हमला करते हुए देखा जाता है।

और वहाँ ऊपर उड़ते हुए, एक पंख वाली आकृति है और यह उनके देवताओं में से एक है जो उन्हें युद्ध में ले जा रहा है और जो कुछ भी हो रहा है उसकी देखरेख कर रहा है और तीर चलाकर उनकी जीत का आश्वासन दे रहा है। और इसलिए, इस संस्कृति में, देवता अपनी सेनाओं के साथ लड़ते हैं। और यहोवा, इस्राएल का परमेश्वर, अलग नहीं है।

वह यहाँ युद्ध में दाऊद को पलिशतियों पर बड़ी विजय दिलाने में अगुवाई करता है। इसलिये दाऊद ने यहोवा की आज्ञा के अनुसार किया, और गिबोन से लेकर पूरे रास्ते में पलिशतियों को एक साथ मार डाला। तो, इस अध्याय में हम जो देखते हैं वह यह है कि डेविड को इज़राइल पर राजा के रूप में चुना गया है।

सारा इस्राएल उसे राजा के रूप में पहचानता है। पहला विषय जिस पर हम ध्यान केंद्रित करते हैं, वह यह है कि यदि डेविड नया राजा है, तो उसे एक शाही शहर की आवश्यकता है। और वह यरूशलेम, एक अभेद्य, यबूसी किले पर कब्जा कर लेता है।

वह इसे अपना शाही शहर मानते हैं। एक राजा के रूप में उनकी वैधता को एक अन्य राजा, हीराम द्वारा मान्यता प्राप्त है, जो उन्हें शाही महल बनाने के लिए सामग्री और श्रमिक भेजता है। अतः दाऊद अब यरूशलेम में, जो एक केन्द्रीय स्थान है, इस्राएल का राजा है।

कुछ दिक्कतें हैं. डेविड कुछ हद तक एक विशिष्ट प्राचीन निकट पूर्वी राजा जैसा दिखने लगा है। लेकिन दाऊद एक राजा के रूप में अपनी शक्ति, एक शक्तिशाली योद्धा के रूप में इस्राएल को मुक्ति दिलाने की अपनी क्षमता का भी प्रदर्शन करता है।

और इसलिए, वह पलिशतियों को हरा रहा है। याद रखें, पलिशती यहां समस्या थे। जब शाऊल और ईशबोशेत और दाऊद के साथ यह सब उपद्रव हुआ, तो पलिशती उस सब का फायदा उठाने में सक्षम हो गए।

और जब से पलिशतियों ने गिलबोआ में शाऊल और इस्राएल की सेनाओं को हराया, तब से वे नियंत्रण में हैं। लेकिन डेविड यह सब उलट रहा है। और इस प्रकार, इस्राएल शक्तिशाली हो रहा है और यहोवा दाऊद को विजय दिला रहा है।

और डेविड अध्याय 6 में आगे क्या करने का फैसला करेगा, वह यह है कि वह यरूशलेम को इज़राइल की धार्मिक राजधानी भी बनाने का फैसला करेगा। डेविड सोच रहा है, मैं एक मंदिर बनाना चाहता हूँ। और यदि मैं वहां प्रभु के लिए एक मंदिर बनाने जा रहा हूँ, तो हमें वहां सन्दूक रखना होगा क्योंकि सन्दूक ईश्वर की उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करता है।

और निःसंदेह, आपको याद होगा कि पलिशतियों ने सन्दूक को इस्राएल से छीन लिया था। इज़राइल एक लड़ाई हार गया. उन्होंने यह सोचकर सन्दूक को बाहर निकाला था कि यह जीत की गारंटी देगा।

ऐसा नहीं हुआ. सन्दूक ने प्रभु की उपस्थिति का प्रतिनिधित्व किया। पलिशती बीमार हो गये।

तमाम तरह की परेशानियां थीं. वे अब सन्दूक नहीं चाहते थे। उन्होंने इसे वापस इज़राइल भेज दिया।

इस्राएलियों ने इसका अनादर किया। यह उनके लिए अच्छा नहीं रहा. और इसलिए सन्दूक एक केन्द्रीय अभयारण्य में नहीं रहा है।

यह किर्यत-जेरीम में बंद हो गया है। और इसलिए, डेविड, जिसे यहां अध्याय 6 में बाला भी कहा गया है, और इसलिए डेविड ने निर्णय लिया कि सन्दूक को एक विश्राम स्थान की आवश्यकता है। और इसलिए, 2 सैमुअल 6, मैंने शीर्षक दिया है कि सन्दूक को एक विश्राम स्थल मिले, लेकिन तुरंत नहीं।

यहां कुछ जटिल कारक हैं। और इस अध्याय में हम जो देखने जा रहे हैं, वह बड़ा विषय यह है कि प्रभु की अपने लोगों के बीच रहने की इच्छा जश्न मनाने का कारण है। प्रभु अपने लोगों के बीच रहना चाहते हैं और इसका जश्न मनाने का कारण है।

लेकिन वह उम्मीद करते हैं कि उनके लोग उनकी पवित्रता का सम्मान करें। भगवान के साथ सामान्य तरीके से व्यवहार नहीं किया जा सकता। वह, जैसा कि धर्मशास्त्री कहते हैं, आसन्न होना चाहता है, न कि केवल स्वर्ग में उत्कृष्ट होना चाहता है।

वह अपने लोगों के बीच रहना चाहते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे उसके साथ यूं ही कंधे से कंधा मिलाकर चलें। उनके साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाना चाहिए और उनकी पवित्रता का सम्मान किया जाना चाहिए।

अब यह महत्वपूर्ण विषय है जिसे हम इस खाते में देखते हैं। अध्याय 6 के पद 1 के अनुसार दाऊद ने फिर इस्राएल के सब 30,000 वीर जवानों को इकट्ठा किया, और वह और उसके सब लोग यहूदा में बाला को गए, कि वहां से परमेश्वर का सन्दूक, जो इस नाम से कहलाता है, ले आएँ। सर्वशक्तिमान भगवान का नाम, जो सन्दूक पर करूबों के बीच विराजमान है। तो, एक भावना है जिसमें भगवान, भले ही उनका सिंहासन स्वर्ग में है और भले ही वह सर्वव्यापी है, एक भावना है जिसमें वह खुद को इससे जोड़ते हैं सन्दूक और वह उस पर विराजमान है।

और यहीं वह पुजारियों के माध्यम से अपने लोगों से मिलता है। और उन्होंने परमेश्वर के सन्दूक को एक नई गाड़ी पर रखा। खैर, ऐसा लगता है कि यह एक अच्छा विचार है।

यदि हम सन्दूक का परिवहन करने जा रहे हैं, तो आप इसे किसी जर्जर पुरानी चीज़ पर नहीं ले जाना चाहेंगे। आप एक बिल्कुल नई गाड़ी के साथ भगवान का सम्मान दिखाना चाहते हैं। आखिरकार, इसी तरह पलिशियों ने सन्दूक को वापस भेजा।

लेकिन मुझे नहीं लगता कि हमें सन्दूक को कैसे ले जाना है, इस पर मार्गदर्शन के लिए हमें पलिशियों की ओर देखना चाहिए। उन्होंने परमेश्वर के सन्दूक को एक नई गाड़ी पर रखा, जो ठीक लगता है, और इसे अबिनादाब के घर से लाया, जो पहाड़ी पर था। और अबिनादाब के पुत्र उज्जा और अखियो सन्दूक समेत नई गाड़ी को चला रहे थे।

और अचिओ उसके आगे-आगे चल रहा था। और दाऊद और सारे इस्राएली शहंशाह, वीणा, वीणा, डफ, हौद, और झांझ बजाते हुए यहोवा के साम्हने अपनी पूरी शक्ति से उत्सव मना रहे थे। निश्चय ही इससे प्रभु का आदर होता है।

यह सारी आराधना और यह भावना और संगीत, निश्चित रूप से प्रभु के साथ संकेत करेगा। लोग उनकी उपस्थिति में सन्दूक का जश्न मना रहे हैं। उन्होंने इसे एक नई गाड़ी पर रख दिया, और ये व्यक्ति गाड़ी का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

वैसे, वे लेवी नहीं हैं। हम वह जानते हैं। हमें यहां थोड़ी समीक्षा करने की आवश्यकता है, और हमें निर्गमन अध्याय 25, छंद 12 से 14 तक जाने की आवश्यकता है, ताकि यह पता चल सके कि सन्दूक को कैसे ले जाया जाना है।

और इस प्रकार, हम वहां पढ़ते हैं, कि इसके लिये सोने के चार कड़े ढालकर उसके चारों पायों पर लगाओ, एक ओर दो कड़े और दूसरी ओर दो कड़े। तो, सन्दूक में छल्ले होंगे। फिर बबूल की लकड़ी के डण्डे बनवाना, और उनको सोने से मढ़वाना।

तो, हम कुछ डंडे बनाने जा रहे हैं। मैं अनुमान लगा रहा हूं कि खंभे छल्लों से होकर गुजरेंगे। हां।

पद 14, सन्दूक को उठाने के लिए डंडों को सन्दूक की दोनों ओर के कड़ों में डालो। खम्भे इस सन्दूक के छल्लों में ही रहेंगे। उन्हें हटाया नहीं जाएगा।

तो यह अनुच्छेद हमें इस बात की थोड़ी जानकारी देता है कि यह सब कैसे घटित होगा। और फिर गिनती अध्याय 4 में, हम पढ़ते हैं, जब छावनी आगे बढ़े, हारून और उसके पुत्रों को अंदर जाना चाहिए और ढाल वाले पर्दे को उतारना चाहिए और उसे वाचा कानून के सन्दूक के ऊपर रखना चाहिए। फिर परदे को टिकाऊ चमड़े से ढांकना, और उस पर ठोस नीले रंग का कपड़ा बिछाना, और डंडों को उसके स्थान पर लगाना।

और फिर यदि तुम पद 15 तक उतरो, और जब हारून और उसके पुत्र पवित्र साज-सज्जा और सब पवित्र वस्तुओं को ढांप चुकें, और जब छावनी चलने को तैयार हो, तभी कहातियों को आना और सामान उठाना। परन्तु वे पवित्र वस्तुओं को न छूएं, नहीं तो वे मर जाएंगे। कहातियों को उन वस्तुओं को ले जाना है जो मिलापवाले तम्बू में हैं।

तो, ऐसा लगता है जैसे सन्दूक को ले जाने का एक निर्धारित तरीका है, और 2 सैमुअल 6 में जो हो रहा है वह नहीं है। सन्दूक को नई गाड़ी पर नहीं ले जाया जाना चाहिए। माना जाता है कि कहाती लोग इसे डंडों के सहारे ले जा रहे थे।

आपको इसे छूना नहीं चाहिए। प्रभु यही देखता है। वह सारा उत्सव नहीं देखता और सारा संगीत नहीं सुनता।

उसका यहां कोई मतलब नहीं है। जब वे नाकोन के खलिहान के पास पहुंचे, तब उज्जा ने हाथ बढ़ाकर सन्दूक को थाम लिया, क्योंकि बैल लड़खड़ा गए थे। तो, चित्र प्राप्त करें.

मुझे यकीन है कि वह नेक इरादे वाला है। उसका काम सन्दूक का मार्गदर्शन करने में मदद करना है। बैल लड़खड़ा जाते हैं।

आप नहीं चाहते कि परमेश्वर का सन्दूक गिरे, जमीन पर गिरे। इसलिए, वह ऐसा होने से रोकने के लिए प्रयास करता है। इस कहानी में हर कोई अच्छे इरादे वाला है।

वहाँ एक उत्सव है. वहाँ संगीत है. हम सन्दूक को गिरने से बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

परन्तु यहोवा का क्रोध उज्जा पर भड़क उठा। एनआईवी का कहना है, उसके अपमानजनक कृत्य के कारण। हिब्रू पाठ में यह सचमुच एक कठिन अभिव्यक्ति है, और वास्तव में इसका क्या अर्थ है इस पर कुछ बहस चल रही है।

लेकिन यह एक असम्मानजनक कार्य था, चाहे पाठ ऐसा कहता हो या नहीं। और इसलिये, परमेश्वर ने उसे मार डाला, और वह वहीं परमेश्वर के सन्दूक के पास मर गया। इसलिए, यह वह नहीं है जिसकी हमें अपेक्षा थी।

पद 8 पर दाऊद क्रोधित हुआ क्योंकि यहोवा का क्रोध उज्जा पर भड़क उठा था। और आज तक उस स्थान का नाम पेरेत्ज़ उज्जा है, अर्थात् उज्जा पर आक्रमण हुआ। डेविड गुस्से में था।

मुझे लगता है, आप जानते हैं, उसने अपने दिल में सोचा था कि वह जो कर रहा था वह सही था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। तुम्हें नहीं मिलता, शाऊल ने यह सीखा, तुम्हें फ्रीलांस नहीं मिलता। याद रखें, 1 शमूएल 15 में, शाऊल ने फैसला किया, मुझे लगता है कि इन सभी जानवरों को मारने के बजाय यह बेहतर होगा, खासकर जब से लोग मुझ पर सबसे अच्छे जानवरों को रखने के लिए दबाव डाल रहे हैं, आइए प्रभु के लिए एक सुपर-डुपर बलिदान करें।

नहीं, नहीं, नहीं, आपको इस प्रकार के निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। डेविड का गुस्सा डर में बदल गया। उस दिन दाऊद यहोवा से डर गया, और कहने लगा, यहोवा का सन्दूक मेरे पास कैसे आ सकता है? वह यहोवा के सन्दूक को दाऊद के नगर में अपने साथ ले जाने को तैयार नहीं था।

अब उसके पैर ठंडे हो गए हैं। वह है, मैं हूँ, यह बहुत खतरनाक है। मैं ऐसा नहीं करना चाहता।

इसके बजाय, वह उसे गती ओबेदेदोम के घर ले गया। मुझे यकीन है कि ओबेद-एदोम सोच रहा था, धन्यवाद। परन्तु यहोवा का सन्दूक गती ओबेदेदोम के घर में तीन महीने तक रहा, और यहोवा ने उसे और उसके सारे घराने को आशीष दी।

तो, सन्दूक वहाँ है, और प्रभु उस स्थान को आशीर्वाद दे रहे हैं जहाँ उसका सन्दूक रहता है। डेविड को इस बारे में बताया गया है। पद 12, उसने बताया, आप जानते हैं, प्रभु ने ओबेद-एदोम के घराने और उसके पास जो कुछ भी है उसे आशीर्वाद दिया है क्योंकि सन्दूक वहाँ है।

इसलिए, दाऊद परमेश्वर के सन्दूक को लाने गया। डेविड वह आशीर्वाद चाहता है। वह यरूशलेम के लिए वह आशीर्वाद चाहता है, और वह वह आशीर्वाद अपने राज्य और इस्राएल के लिए चाहता है।

और इसलिए, वह आनन्द के साथ सन्दूक को ऊपर लाने के लिए जाता है। और हमें यहां बहुत अधिक विवरण नहीं मिलता है, लेकिन हमें पद 13 में बताया गया है जब जो लोग प्रभु के सन्दूक को ले जा रहे थे, और वे इसे अब ले जा रहे हैं, मुझे लगता है कि वे डंडों के साथ हैं। हम इसे इतिहास के समानांतर परिच्छेद से जानते हैं।

और जब वे छः कदम चले, तो उस ने एक बैल और एक पाला हुआ बछड़ा बलि किया। कुछ लोग सोचते हैं कि वे ऐसा हर छह कदम पर करते हैं। मुझे लगता है कि उन्होंने इसे शुरू करने के बाद इसे लॉन्च करने के बाद ही किया, उन्होंने इसे किया और उन्होंने बलिदान दिया।

और दाऊद ने सनी का एपोद पहिना हुआ है, और वह यहोवा के साम्हने अपनी पूरी शक्ति से नाच रहा है। लेकिन 1 इतिहास अध्याय 15 में इसके बारे में अधिक विवरण है। इनमें से कई विवरण सैमुअल में हैं, हमारे पास 1 इतिहास में समानताएं भी हैं।

और इस प्रकार हम 1 इतिहास 15 पद 1 में पढ़ते हैं, जब दाऊद ने दाऊद के नगर में अपने लिये भवन बनाए, तब उस ने परमेश्वर के सन्दूक के लिये एक स्थान तैयार किया, और उसके लिये एक तम्बू खड़ा किया। हमारे पास अभी तक कोई मंदिर नहीं है। तो, यह एक तम्बू-प्रकार का स्थान है।

तब दाऊद ने कहा, लेवियोंको छोड़ और कोई परमेश्वर का सन्दूक उठा न सकेगा, क्योंकि यहोवा ने उन्हींको चुन लिया है, कि वे यहोवा का सन्दूक उठाए रहें, और सदा अपने साम्हने सेवा करते रहें। जाहिरा तौर पर, डेविड ने अब कानून की जाँच कर ली है। इससे पहले, उन्होंने स्पष्ट रूप से जल्दबाजी में काम किया।

शायद अध्याय 5 में वर्णित सारी सफलता उसके सिर चढ़ गई। कुछ लोगों ने यह सुझाव दिया है। और उसने बस यही सोचा, अरे, प्रभु मेरी तरफ हैं।

वह मेरे हर काम को आशीर्वाद दे रहा है। उन्होंने चीजों को सही तरीके से करने के बारे में सोचना भी नहीं छोड़ा। उसने बस यह मान लिया था कि भगवान उसे आशीर्वाद देंगे।

नहीं तो। 1 इतिहास 15 के पद 3 में, दाऊद ने यहोवा के सन्दूक को उस स्थान पर लाने के लिए यरूशलेम में सभी इस्राएल को इकट्ठा किया, जिसे उसने इसके लिए तैयार किया था। उसने हारून के वंशजों और लेवियों को एक साथ बुलाया।

और कहात के वंशजों की ओर से पद 5 पर ध्यान दें। और इसलिए, हमारे पास ऐसे व्यक्तियों की एक पूरी सूची है जो यहां शामिल होने जा रहे हैं। और हमें श्लोक 11 में याजक मिले हैं, जिनमें एब्द्यातार भी शामिल है।

और उस ने लेवियोंसे कहा, तुम लेवियोंके घरानोंके मुख्य पुरूष हो। तुम और तुम्हारे संगी लेवीय अपने आप को पवित्र करना, और यहोवा के सन्दूक को उस स्थान पर ले आना जिसे मैं ने उसके लिये तैयार किया है। यह इसलिये हुआ कि तुम लेवियों ने पहली बार यह बात नहीं उठाई, कि हमारा परमेश्वर यहोवा हम पर क्रोधित हुआ।

तो, डेविड समझता है कि क्या हुआ। हमने उनसे इस बारे में पूछताछ नहीं की कि इसे निर्धारित तरीके से कैसे किया जाए। और इसलिए, इस बार वे इसे सही तरीके से करते हैं।

और इस प्रकार, सन्दूक शहर में आता है। डेविड जश्न मना रहा है। उसने सनी का एपोद पहन रखा है मानो वह कोई पुजारी हो।

डेविड निश्चित रूप से लेवीय पुरोहिती का स्थान हड़पने की कोशिश नहीं कर रहा है। लेकिन एक अर्थ यह है कि अभी हमारे पास इसमें जाने का समय नहीं है, लेकिन एक अर्थ यह है कि इसराइल का राजा एक शाही पुजारी था। उन्होंने पुजारी जैसे कार्य किये।

उन्होंने शाब्दिक पुजारी बने बिना इज़राइल के पंथ और पूजा प्रणाली की देखरेख की। हम सुलैमान को ऐसा करते हुए देखते हैं, मंदिर के निर्माण के दौरान पूजा का आयोजन करते हैं। और हमने स्तोत्रों में भी पढ़ा है कि किस प्रकार डेविड मलिकिसिदक के क्रम का एक पुजारी है।

वह एक शाही पुजारी है, और वह यहाँ उस कार्य को कर रहा है। वह आराधना में इस्राएल का नेतृत्व कर रहा है। वह याजक का स्थान लेने की कोशिश नहीं कर रहा है, बल्कि वह पूजा में इज़राइल का नेतृत्व कर रहा है।

और वह और सारे इस्राएली जयजयकार और जयजयकार करते हुए यहोवा के सन्दूक को ऊपर ले आ रहे थे। अब यहाँ एक दिलचस्प सबप्लॉट विकसित होने जा रहा है क्योंकि डेविड सन्दूक को वापस ला रहा है और अब सब कुछ ठीक लग रहा है क्योंकि यह ठीक से किया जा रहा है और भगवान की पवित्रता का सम्मान किया जा रहा है। माइकल, शाऊल की बेटी, मुझे यह उम्मीद नहीं थी कि राजनीतिक कारणों से पल्टिएल से दूर ले जाने और डेविड के हरम में सेवा करने के लिए वापस लाए जाने के बाद वह डेविड के बारे में बहुत अच्छा सोच रही होगी।

वह खिड़की से देख रही है और वह डेविड को प्रभु के सामने उछलते और नाचते हुए देखती है, और वह उसे अपने दिल में तुच्छ समझती है। हम एक पल के लिए उससे दूर चले जाते हैं और पद 17 में पढ़ते हैं, कि वे सन्दूक लाए, उन्होंने उसे उस तम्बू में उसके स्थान पर स्थापित किया जिसे दाऊद ने उसके लिए खड़ा किया था। दाऊद होमबलि और मेलबलि चढ़ाता है।

मुझे यकीन है कि इस सब में उसके पुजारी ठीक से काम कर रहे हैं, लेकिन वह वही है जो ये आदेश दे रहा है। बलिदान समाप्त करने के बाद, वह सर्वशक्तिमान भगवान के नाम पर लोगों को आशीर्वाद देता है, और वह भीड़ में प्रत्येक व्यक्ति को भोजन देता है, और सभी लोग अपने घरों को चले जाते हैं। तब दाऊद अपने घराने को आशीर्वाद देने के लिए घर लौटता है।

और वहाँ शाऊल की बेटी मीकाएल है, और वह उससे मिलने के लिये बाहर आती है। और वह बहुत व्यंग्यात्मक ढंग से कहती है, इस्राएल के राजा ने आज स्वयं को कैसे प्रतिष्ठित किया है, वह अपने सेवकों की दासियों के सामने अर्धनग्न घूम रहा है जैसा कि कोई भी अभद्र व्यक्ति होता। डेविड ने जो किया उससे वह आहत है।

और डेविड अपना बचाव करता है। और वह माइकल से कहता है, यह प्रभु के सामने था। और वैसे, वर्णनकर्ता ने ऐसा कहा है।

वर्णनकर्ता ने कहा कि वह प्रभु के सामने जश्न मना रहा था। यह यहोवा के सम्मुख था, जिस ने मुझे यहोवा की प्रजा इस्राएल पर प्रधान ठहराते समय तुम्हारे पिता या उसके घराने में से किसी एक की अपेक्षा मुझे चुना। मैं यहोवा के सामने उत्सव मनाऊंगा।

और मैं इससे भी अधिक असम्मानित हो जाऊँगा। और मैं अपनी दृष्टि में अपमानित होऊँगा। परन्तु इन दासियों के द्वारा, जिनके विषय में तू ने कहा, मेरा आदर होगा।

वे समझ गये कि मैं क्या कर रहा हूँ। और फिर यह कहता है कि शाऊल की बेटी माइकल की मृत्यु के दिन तक उसकी कोई संतान नहीं थी। मैं जानता हूँ कि आपमें से कुछ लोग इस पर माइकल का पक्ष ले सकते हैं।

मुझे लगता है कि कहानी के आरंभ में वह एक सहानुभूतिपूर्ण पात्र है। यहाँ, मुझे नहीं लगता कि वह है। मुझे लगता है कि यह डेविड के बेहतरीन पलों में से एक है।

आखिरकार उसने इसे सही तरीके से किया है। इस पर गलत शुरुआत हुई. उसने अपना सबक सीख लिया.

और वह वास्तव में प्रभु के सामने जश्न मना रहा है। और उस ने यरूशलेम को यहोवा के लिथे मुख्य पवित्रस्थान ठहराया है। मुझे लगता है ये सब अच्छा है.

और माइकल उसका विरोध कर रहा है. और शाब्दिक रूप से, मुझे लगता है कि यह एक अनुस्मारक है कि, हाँ, शाऊल मर चुका है। ईश- बोशेथ मर चुका है.

लेकिन अभी भी डेविड का कुछ विरोध होने वाला है, विशेषकर बेन्जामिन की भीड़ से। और हम बाद में अबशालोम के विद्रोह के साथ उस प्रकार का विरोध देखने जा रहे हैं। शिमी, बिन्यामीनी शिमी नाम का एक व्यक्ति है जो दाऊद को शाप देगा।

बिन्यामीनियों के साथ यह चिंता सदैव बनी रहेगी। लेकिन मैं उस आखिरी कविता को समझता हूँ जब यह कहती है कि माइकल की कोई संतान नहीं थी। मुझे लगता है कि, इस संदर्भ में वह डेविड के साथ जिस तरह से व्यवहार करती है, उसके लिए उसे वही मिल रहा है जिसकी वह हकदार है।

और डेविड जो करने की कोशिश कर रहा है उसके लिए उसकी सराहना की कमी है। हमें यह नहीं बताया गया कि उसके बच्चे क्यों नहीं हुए। क्या सिर्फ इसलिए कि डेविड ने उसके साथ संबंध रखना बंद कर दिया? या यह भगवान ही थे जिन्होंने कहा था कि लाख कोशिशों के बावजूद आपके कोई संतान नहीं होगी? हमें नहीं बताया गया.

लेकिन मैं उस कविता को बहुत सकारात्मक दृष्टि से नहीं देखता। और मुझे लगता है कि यह वर्णनकर्ता का यह कहने का तरीका है कि माइकल को डेविड के प्रति सम्मान की कमी के कारण अनुशासित किया गया था। लेकिन मुझे लगता है कि कहानी में उसकी उपस्थिति सिर्फ

एक अनुस्मारक है कि डेविड का विरोध जारी रहेगा क्योंकि वह इज़राइल पर शासन करना शुरू कर देगा।

अगले अध्याय में हम एक बहुत ही महत्वपूर्ण घटना के बारे में पढ़ने जा रहे हैं। यहोवा दाऊद के साथ वाचा बाँधने जा रहा है। वह डेविड को एक बहुत ही महत्वपूर्ण वादा देने जा रहा है जो इज़राइल के भविष्य और वास्तव में हम सभी के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है।

और इसलिए, 2 शमूएल 7 यह कहानी है कि कैसे परमेश्वर ने दाऊद के साथ अपनी वाचा का उद्घाटन किया और हम इसे अपने अगले पाठ में शामिल करेंगे।

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 18, 2 सैमुअल 4-6 है। सिंहासन तक पहुंचने का मार्ग रक्त से प्रशस्त है, अध्याय 4 से अध्याय 5 श्लोक 5 तक; विजेता दाऊद, अध्याय 5; सन्दूक को एक विश्राम स्थल मिलता है, अध्याय 6।